121175 - जुमा के दिन फ़ज्र की नमाज़ में हमेशा सूरतुस-सजदा और सूरतुल-इनसान पढ़ने का हुक्म

प्रश्न

क्या प्रत्येक जुमा को फ़ज्र की नमाज़ में हमेशा सूरतुस-सजदा और सूरतुल-इनसान पढ़ना जायज़ है?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।.

"जुमा के दिन फ़ज्र की नमाज़ में सूरतुस-सजदा और सूरतुद-दह्र (सूरतुल-इनसान) का पाठ करना धर्मसंगत है, और हमेशा ऐसा करने में कोई आपत्ति की बात नहीं है। लेकिन अगर यह डर है कि कुछ लोग यह सोचेंगे कि इन दोनों (सूरतों) को हमेशा पढ़ना अनिवार्य है, तो उसके लिए धर्मसंगत यह है कि वह उन्हें कभी-कभी न पढ़े।" उद्धरण समाप्त हुआ।

अल-लजनह अद-दाईमह लिल-बुहूस अल-इल्मिय्यह वल-इफ़्ता (अकादमिक अनुसंधान और इफ्ता की स्थायी समिति)।

"फ़तावा इस्लामिय्याह" (1/417)।

और अल्लाह तआला ही सबसे अधिक ज्ञान रखता है।